प्रारंभिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

सोलहवीं बिहार कानूनसाज एसेम्बली के दसवीं इजलास के शुरूआत के मौके पर आप सभी माननीय सदस्यों का मैं तहेदिल से इस्तकबाल करता हूँ । इस इजलास में कुल 5 बैठकें मुकर्रर की गई है । इसमें माली साल 2018-19 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी एवं सरकारी बिलों की पेशी होगी । इसके अलावा गैर सरकारी संकल्प भी लिए जाएँगे ।

माननीय सदस्यगण, पार्लियामानी जम्हूरियत की एक बहुत बड़ी खूबी है कि इसमें एक ही निजाम के दो हिस्सों को आपस में मिलजुल कर काम करने का मौका मिलता है । सियासी शख्स अपने सौहार्द्र एवं तजुर्बों से इन्सानी एवं समाजी मसाएल से अच्छी तरह वाकिफ़ रहता है । उसके खयालात और नजरियात अमन एवं तरक्कीपसन्द होते हैं और उनकी आम फितरत सद्भाव एवं मेल-जोल की होती है । समाजी मसायल को सुलझाने के सिलसिले में उनका नजरिया व्यापक और सकारात्मक हो जाता है । जनहित के मामले में उनका जिम्मेदाराना एवं भरोसेमंद नेतृत्व सूबे को तरक्की की राह पर आगे बढ़ाता है ।

माननीय सदस्यगण, जम्हूरियत में सियासी प्रक्रिया सामाजिक एवं आर्थिक दुश्वारियों के दुरूह मार्ग से होकर गुजरती है । ऐसी स्थिति में भी मंजिल तक पहुँचने
हेतु कानून बनाना, उसकी समीक्षा करना तथा उसे अमलीजामा पहनाया जाना आप मेम्बरान के ही सूझ-बूझ पर निर्भर करता है । बिहार के तरक्की को निशाना रखकर ही हम सब इस असेम्बली में बहस-मुहासबा करते हैं ।

इस पसेमंजर में, मुझे पूरा यकीन है कि मौजूदा इजलास के दौरान सदन को कामयाबी के साथ चलाने में आपका मुकम्मल सहयोग प्राप्त होता रहेगा ।

****